अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : छठी – जैन धर्म विशारद (परीक्षा 29 जुलाई, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) लोभ से नाश होता है-

(क) प्रीति का (ख) विनय का

(ग) मित्रता का (घ) सद्गुणों का ( )

(b) 'रत्नाकर पच्चीसी' में प्रभु के लिए सम्बोधन है-

(क) पूज्य (ख) लोकेश

(ग) गतराग (घ) उपर्युक्त सभी ( )

(c) चतुर्थ प्रातिहार्य कौनसा है -

(क) छत्र (ख) देव दुन्दुभि

(ग) अशोक वृक्ष (घ) कोई नहीं ( )

(d) अन्तकृत दशा सूत्र में अनुयोग द्वार हैं-

(क)संख्यात (ख) असंख्यात

(ग) अनन्त (घ) 10 ( )

(e) वर्तमान अन्तकृत दशा सूत्र निम्न सूत्र में वर्णित अन्तकृत सूत्र के समान है-

(क) समवायांग (ख) नन्दी

(ग) दोनों (घ) दोनों ही नहीं ( )

(f) अन्तकृत सूत्र में वर्णित कितनी आत्माओं को संथारा आया-

(क) 90 (ख) 89

(ग) 88 (घ) 01 ( )

(g) अन्तकृत सूत्र में वर्णित कितनी आत्माओं को परीषह आये-

(क) 88 (ख) 02

(ग) 90 (घ) 01 ( )

(h) अन्तगड़ में वर्णित सेठ सुदर्शन किसका उदाहरण है-

(क)ज्ञानाराधना (ख) दर्शनाराधना

(ग) चारित्राराधना (घ) कोई नहीं ( )

(i) जलचर कौनसी नरक तक जा सकता है-

(क) छठी (ख) सातवीं

(ग) पाँचवीं (घ) कोई नहीं ( )

(j) तीसरी नरक से आने वाला बन सकता है-

(क) तीर्थंकर (ख)केवली

(ग) साधु (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) सन्नी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय मरकर सातवीं नारकी में नहीं जाता है। ( )

(b) चौथी नरक से आने वाला केवली बन सकता है। ( )

(c) वायुकाय के जीवों को तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय बनने पर सम्यक्त्व प्राप्त हो सकता है। ( )

(d) अपर्याप्त अवस्था में काल करने पर नियमा तिर्यञ्च बनते हैं। ( )

(e) मेघ का गर्जन होने पर एक प्रहर का अस्वाध्याय होता है। ( )

(f) अशुचि दिखते भी स्वाध्याय कर सकते हैं। ( )

(g) 'श्रावण कृष्णा प्रतिपदा' को स्वाध्याय कर सकते हैं। ( )

(h) 'जैनागम' अर्द्धमागधी भाषा में रचित हैं। ( )

(i) सूत्र रूप से आगम सादि-सान्त हैं। ( )

(j) 'आचारांग सूत्र' मूल सूत्र है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) द्वादशांगी सूत्र रूप में मेरी रचना है। .....

(b) मुझमें साधुओं के प्रायश्चित्त आदि का विधान है। .....

(c) मैं ऐसा पौषध हूँ, जिसमें दिन में प्रासुक जल ग्रहण कर सकते हैं। .....

(d) मेरी आगति 329 की है। .....

(e) मेरी आगति 32 की है। .....

(f) मेरी गति 517 की है। .....

(g) मेरी आगति 285 की है। .....

(h) अन्तगड़ में वर्णित सबसे अधिक दीक्षापर्याय मेरी है। .....

(i) अन्तगड़ में वर्णित मैं 'पद्मनाभ' तीर्थंकर बनूँगा। .....

(j) अन्तगड़ में वर्णित मुझे विशेष श्रुतज्ञान का अध्ययन नहीं हुआ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **'वर्धमान आयम्बिल' तप कैसे किया जाता है ?**

.....

.....

.....

(b) **भवसिद्धिक जीवों के मोक्ष जाने पर लोक भवसिद्धिक जीवों से रहित नहीं होगा। कैसे? एक उदाहरण दीजिए।**

.....

.....

.....

(c) **भवी जीव कौनसी राशि में मिलते हैं ?**

.....

.....

.....

(d) **कौनसे जीव सोते हुए अच्छे हैं ?**

.....

.....

.....

(e) **18 पापों के आचरण से होने वाली दो हानियाँ लिखिए।**

.....

.....

.....

(f) **जिसका उद्यम अच्छा है, वह क्या करेगा ?**

.....

.....

.....

(g) **समुच्चय जीव की आगति 371 कैसे ? लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) **179 की लड़ को लिखिए।**

.....

.....

.....

(i) **सम्यग्दृष्टि की आगति को समझाइए।**

.....

.....

.....

(j) **देवकुरु की गति को समझाइए।**

.....

.....

.....

(k) **12 देवलोकों की आगति की मात्र संख्या लिखिए।**

.....

.....

.....

(l) **आगम के कोई दो लक्षण लिखिए।**

.....

.....

.....

(m) **अनन्तरागम तथा परम्परागम में अन्तर लिखिए।**

.....

.....

.....

(n) **स्वाध्याय से होने वाले दो लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

प्र.5 निम्न रिक्त स्थानों को पूर्ण कीजिए: - **14x3 = (12)**

(a) **पर दोष**.....

.....

.....**हे प्रभो!**

(b) **प्रत्यक्ष सुखकर**.....

.....

.....**रहते हुए।**

(c) **सत्कर्म**.....

.....

.....**कष्ट हो?**

(d) **महुगार**.....

.....

.....**साहुणो।।**

(e) धिरत्थु.....

.....

.....मरणं भवे।।

(f) समाई.....

.....

.....रागं।।

(g) धम्मो.....

.....सया मणो।।

(h) कहं.....

.....वसंगओ।।

(i) अप्पा.....

.....

.....परत्थ य।।

(j) जरा जाव.....

.....

.....समायरे।।

(k) सोही.....

.....

.....पावए।।

(l) नित्योदयं.....

.....

.....

.....शशांक बिम्बम्।।

(m) **सिंहासने**.....

.....

.....

.....**सहस्ररश्मेः।।**

(n) **निम्न श्लोक का भावार्थ लिखिए -**

ज्ञानं यथा त्वयि विभति कृतावकाशं,
नैवं तथा हरिहरादिषु नायकेषु।
तेजः स्फुरन्मणिषु याति यथा महत्त्वं,
नैवं तु काचशकले किरणाकुलेऽपि।।

.....

.....

.....

.....